प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 336, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

देश के मशहूर मूर्तिकार राम सुतार का निधन

» Pg12

इनसाइड » सावधानः आप जो चना खा रहे वह ओरामाइन डाई से रंगा...» Pg03

सदन में फाड़ी विधेयक की कॉपी, तीखी नोकझोंक

हंगामे के बीच लोकसभा से जी राम जी बिल पास

कृषि मंत्री बोले- बापू का अपमान कर रहा विपक्ष, कांग्रेस पर खानदान के महिमामंडन में लिप्त होने का लगाया आरोप

संसद में जी रामजी बिल को लेकर संग्राम छिड़ गया है। सरकार ने मनरेगा कानून के आधुनिक विकल्प के रूप में इस बिल को पेश किया, जिसका विपक्ष ने कड़ा विरोध किया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार महात्मा गांधी का नाम हटाकर रोजगार गारंटी को कमजोर कर रही है, जबकि सरकार का कहना है कि बापू उनके दिल में हैं और यह कानून ग्रामीण विकास के लिए संरचनात्मक सुधार है...

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। संसद में आज विपक्षी दलों के हंगामे के बीच शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत जी-राम-जी विधेयक पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहता। केंद्रीय कृषि मंत्री ने सरकार की तरफ से जारी आंकड़े पेश करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने फंड का दुरुपयोग किया, लेकिन हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने पर जोर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि सरकार किसानों के साथ-साथ गरीबों के कल्याण के लिए विधेयक लाई है, जिसका विरोध किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, सबसे पहले इस पवित्र सदन में मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। सभापति महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस विषय पर हमने माननीय सदस्यों के विचार सुने हैं। अब जवाब देना मेरा अधिकार है। मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। मैंने रात के डेढ़ बजे तक माननीय सदस्यों की बात सुनी है। अपनी बात सुना देना और फिर जवाब न सुनना ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है। संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं। अपनी बात सुना दो और हमारी न सुनो। ये भी हिंसा है। यह बापू के आदर्शों की हत्या करने का काम कांग्रेस और बाकी विपक्ष कर रहे हैं।

हम गांधी के आदर्शों पर चलने वाले लोगः शिवराज

उन्होंने कहा, सबसे पहले मैं पूज्य बापू (राष्ट्रपति महात्मा गांधी) के चरणों में प्रणाम करना चाहता हूं। बापू हमारी श्रद्धा हैं। बापू जी हमारे आदर्श हैं। बापू हमारी प्रेरणा हैं। बापू हमारे विश्वास हैं। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय भारतीय जनता पार्टी ने अपने पंच निष्ठाओं में गांधी के सामाजिक-आर्थिक दर्शन को स्थान दिया है। हम गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाले हैं। गांधी जी ने ही कहा था कि गांव भारत की आत्मा है। अगर गांव मर जाएंगे, भारत मर जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा, यह गांवों के विकास का विधायक है। माननीय प्रतिपक्षी सदस्यों ने कई तरह के आरोप लगाए। एक बात यह कही कि हम भेदभाव करते हैं। सारा देश हमारे लिए एक है। चेन्नई हो या गुवाहाटी, अपना देश-अपनी माटी। अलग भाषा-अलग वेष, फिर भी अपना एक देश। उन्होंने आगे कहा, मैं इनको बताना चाहता हूं कि अटल जी ने क्या कहा था। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम देश के किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करते। हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था - यह देश हमारे लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता-जाता राष्ट्र पुरुष है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सनक मोदी सरकार पर सवार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने खानदान का महिमामंडन करने के लिए इन्होंने महात्मा गांधी की बजाय केवल नेहरू परिवार के नाम पर सरकारी योजनाओं का नामकरण किया। कांग्रेस पर खानदान के महिमामंडन में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए शिवराज ने कहा कि नेहरू परिवार के नाम पर योजनाओं के नाम रखे गए। उन्होंने दावा किया कि 25 नाम स्वर्गीय राजीव गांधी और 27 नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखे गए। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों, सड़कों, इमारतों, अवार्ड्स के नाम भी इसी खानदान के लोगों के नाम पर रखे गए।

करोड़ों की ठगी का मामला

डुगडुगी पिटवाकर कार्रवाई की सार्वजनिक मुनादी कराई

सपा जिला पंचायत सदस्य की 14 करोड़ की संपत्ति सीज

प्रॉपर्टी में निवेश करने के नाम पर हुई थी ठगी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में प्रॉपर्टी डीलिंग के नाम पर बड़े फ्रॉड का खुलासा होने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। निवेश के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोपी समाजवादी पार्टी के जिला पंचायत सदस्य राजा मान सिंह और उनकी पत्नी नीतू सिंह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इनकी करीब 14 करोड़ रुपये की संपत्ति सीज कर दी गई है।

यह कार्रवाई 14 (1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत की गई। इससे पहले प्रशासनिक और पुलिस टीम ने क्षेत्र में डुगडुगी पिटवाकर कार्रवाई की सार्वजनिक मुनादी कराई। इसके बाद आरोपियों का बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स और अन्य अचल संपत्तियों को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया।

इस दौरान एसडीएम सोहावल सविता राजपूत, सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, कोतवाल पूराकलंदर मनोज शर्मा, कोतवाल रामजन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ल,

जितेंद्र प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। किसी भी तरह की कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

गौरतलब है कि आरोपी राजा मान सिंह और उनकी पत्नी नीतू सिंह, निवासी ग्राम सरियांवा तहसील सोहावल थाना पूराकलंदर पर प्रॉपर्टी में निवेश के नाम पर कई लोगों को ठगने के आरोप हैं। वर्तमान में दोनों सहित अन्य आरोपी जेल में बंद हैं। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएम ने किया रैन बसेरों का औचक निरीक्षण

» भैरव घाट स्थित रैन बसेरे में मिली कई गंभीर खामियां*

» 24 घण्टे में व्यवस्था दुरुस्त करने के दिये निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बढ़ती ठंड के बीच जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज रात विभिन्न रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। मंगलवार रात लगभग 8:15 बजे डीएम ने भैरव घाट स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाओं की गंभीर खामियां सामने आईं। हालात देखकर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई और 24 घंटे के भीतर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मौके पर केयरटेकर रामबाबू तिवारी उपस्थित मिले। रैन बसेरे में ठहरे लोगों से बातचीत में सामने आया कि अब तक न तो रजाई उपलब्ध कराई गई है और न ही कंबल की कोई व्यवस्था है। मजबूरी में लोग अपना कंबल लेकर यहां रुकने को विवश हैं। अभिलेखों की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस रैन बसेरे की सुविधाओं का निरीक्षण अब तक किसी भी जोनल सेनेटरी ऑफिसर, जोनल अधिकारी अथवा अन्य वरिष्ठ अधिकारी द्वारा नहीं किया गया है

रैन बसेरे के कमरों में गंदगी पाई गई और शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब मिली। केयरटेकर ने बताया कि यहां किसी स्वीपर की तैनाती नहीं है, जिससे नियमित सफाई नहीं हो पा रही है।

प्रकाश व्यवस्था भी नाकाफी पाई गई, कमरों में अंधेरा पसरा हुआ था। बताया गया कि रैन बसेरे की क्षमता 50 लोगों की है, लेकिन समुचित इंतजाम न होने के कारण यहां ठहरने वाले लोगों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।व्यवस्थाओं की गंभीर खामियों पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और निर्देश दिए कि 24 घंटे के भीतर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, रजाई-कंबल की उपलब्धता सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि ठंड के मौसम में रैन बसेरों को लेकर किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में संचालित सभी रैन बसेरों का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ठंड के मौसम में जन सुविधा से जुड़ी किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

यदि किसी रैन बसेरे में कमी पाई गई तो संबंधित नोडल अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परमट स्थित रैन बसेरे में संतोषजनक व्यवस्था

इससे पूर्व जिलाधिकारी ने परमट मंदिर के निकट स्थित रैन बसेरे का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां 18 लोग ठहरे हुए मिले। मौके पर अलाव जलता हुआ पाया गया तथा साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की सुविधा संतोषजनक रही। बताया गया कि उक्त रैन बसेरे की कुल क्षमता 20 लोगों की है और यहां पर्याप्त मात्रा में रजाई एवं कंबल उपलब्ध हैं। व्यवस्थाएं दुरुस्त पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया।

चार्ज लेते ही सहायक आयुक्त औषधि ने की बड़ी कार्रवाई

नशे के सिरप के थोक व्यापारी का लाइसेंस निरस्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने मंडलायुक्त कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करते ही सख्त रुख अपनाया। चार्ज संभालने के साथ ही उन्होंने नशे और नकली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ से 38050 नशीले सिरप बेचने की आरोपी थोक विक्रेता फर्म बालाजी का लाइसेंस निरस्त कर दिया। जांच के दौरान फर्म सिरप से जुड़े वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सकी। मामले में मुकदमा पहले से दर्ज है।

सहायक आयुक्त औषधि ने साफ कहा कि नकली और नशीली दवाओं के कारोबार पर किसी भी हाल में नरमी नहीं बरती जाएगी। इसके लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नशीली दवाओं के मामलों में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराने में यदि कहीं देरी हो रही है, तो इस विषय में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय कर प्रक्रिया को तेज कराया जाएगा। नशीली दवा बेचने वालों पर सख्त शिकंजा कसा जाएगा।

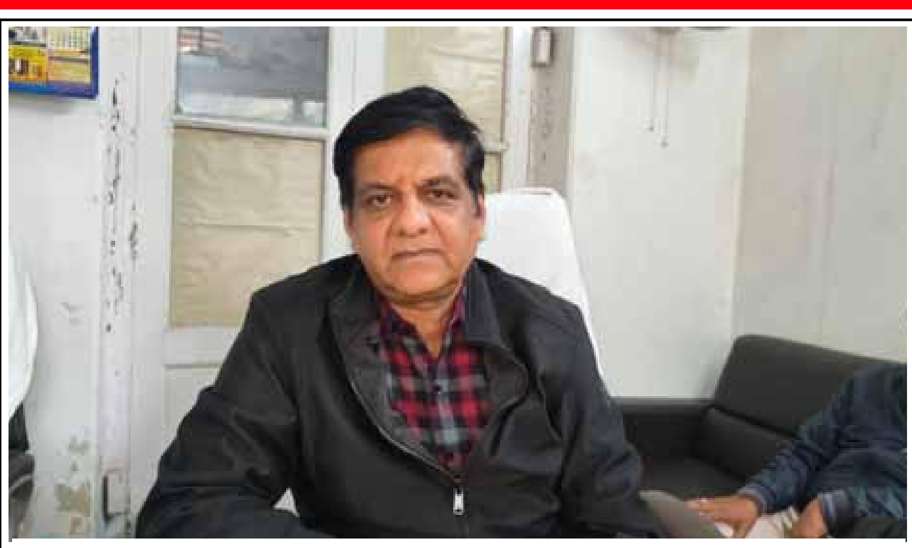

अतुल उपाध्याय

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वर्तमान में ड्रग निरीक्षकों और स्टाफ की संख्या कम है, जिससे काम का दबाव बढ़ रहा है। इस समस्या को लेकर शासन को अवगत कराया जाएगा। जल्द ही एक और ड्रग निरीक्षक की तैनाती किए जाने की बात कही गई है, ताकि निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

उधर, हाल के दिनों में हुई छापेमारी कार्रवाइयों से यह साफ हो चुका है कि कानपुर शहर नकली दवाओं का बड़ा गढ़ बनता जा रहा है। विभिन्न इलाकों में पकड़ी गई अवैध फैक्ट्रियों और संदिग्ध दवा भंडारण ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य से सीधे जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर अब औषधि विभाग पूरी तरह सक्रिय मोड में नजर आ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में जांच और छापेमारी का दायरा और बढ़ाया जाएगा, ताकि नकली और नशीली दवाओं के नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके और आम जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

सावधानः आप जो चना खा रहे वह ओरामाइन डाई से रंगा तो नहीं ?

कानपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने ओरामाइन डाई से रंगा 372 क्विंटल भुना चना सीज किया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सेहत बनाने के लिए जो चना आप खाते हैं वह भी केमिकलयुक्त हो सकता है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सूचना के आधार पर बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स बिनगवां एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान भारी केमिकलयुक्त 372 क्विंटल भुना चना बरामद किया गया । मौके पर मौजूद अत्याधुनिक मोबाइल लैब फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) से चने की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में चने में औरामाइन केमिकल की पुष्टि हुई।

यह एक प्रतिबंधित और जहरीला रसायन है, जिसका उपयोग खाद्य पदार्थों में पूरी तरह वर्जित है। जनस्वास्थ्य के लिए इसे गंभीर खतरा मानते हुए विभाग ने करीब 3348000 का 1240 बोरा भुना चना प्रारंभिक जांच में ओरामाइन डाई से रंगा हुआ पाए जाने पर नमूना संग्रह के उपरांत जप्त किया गया।

यह एक प्रतिबंधित और जहरीला रसायन है, जिसका उपयोग खाद्य पदार्थों में पूरी तरह वर्जित है। जब्त किए गए माल की अनुमानित कीमत करीब 33 लाख 48 हजार रुपये बताई जा रही है। सुरक्षा विभाग अब इस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क की गहन जांच कर रहा है। हालांकि जब बिल को लेकर जांच की गई तो पता चला कि चना जीएसटी बिल के साथ खरीदा गया है।खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित व्यापारी के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनहित को देखते हुए मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गोरखपुर में भी 750 बोरी भुना चना सीज

गोरखपुर । गोरखपुर के राजघाट इलाके में खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेसर्स मां तारा ट्रेडर्स के गोदाम से 750 बोरी भुना चना सीज किया है. जांच में पता चला कि चने को पीला करने के लिए कपड़े रंगने वाली एलो डाई का इस्तेमाल किया गया था, जो कैंसर और किडनी फेलियर जैसी गंभीर बीमारियां पैदा कर सकता है. बरामद चने में जिस सिंथेटिक एलो डाई का प्रयोग हुआ है, वह खाने के लिए नहीं बल्कि कपड़ा रंगने के काम आता है. यह रसायन बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए अत्यंत घातक है. इससे कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है और यह लिवर व किडनी को पूरी तरह डैमेज कर सकता है. आमतौर पर लोग चने को स्वास्थ्यवर्धक मानकर खाते हैं, लेकिन इस जहर की सप्लाई से लोगों की जान को खतरा हो सकता था.

सेहत के लिए खतरनाक होता है ऑरामाइन

औरामाइन एक अत्यंत खतरनाक और विषैला रसायन है, यह केमिकल स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। औरामाइन के सेवन से कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है, विशेषकर लीवर और मूत्राशय के कैंसर का खतरा रहता है।

फर्जी डिग्री वाला 25 हजार का इनामी अधिवक्ता गिरफ्तार

एसटीएफ ने नैनीताल से दबोचा, इंटर फेल होने के बावजूद फर्जी दस्तावेजों से बना वकील

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। फर्जी शैक्षिक दस्तावेजों के आधार पर एलएलबी कर वकालत करने के आरोपित 25 हजार रुपये के इनामी आशीष शुक्ला को एसटीएफ ने बुधवार को नैनीताल के तल्लीताल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ 21 नवंबर को न्यायालय द्वारा गैर जमानतीय वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था।

बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री एवं श्याम नगर निवासी अधिवक्ता अरिदमन सिंह ने करीब नौ माह पूर्व कोतवाली में आजाद नगर निवासी आशीष शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि आशीष इंटरमीडिएट में फेल होने के बावजूद फर्जी मार्कशीट बनवाकर स्नातक की डिग्री हासिल की, फिर एलएलबी कर अधिवक्ता बन गया और बार काउंसिल में पंजीकरण भी करा लिया।पुलिस जांच के दौरान जब भी आशीष शुक्ला से उसके मूल शैक्षिक दस्तावेज मांगे गए, वह कभी दस्तावेज गिर जाने तो कभी मकान बदलने के दौरान गायब होने का बहाना बनाकर जांच को टालता रहा। आरोपी ने अग्रिम जमानत के लिए याचिका भी दाखिल की थी, जिसे अदालत ने 18 नवंबर को खारिज कर दिया। इसके बाद 21 नवंबर को उसके खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी किया गया।कोतवाली पुलिस और एसटीएफ लगातार उसकी तलाश में जुटी थीं। सर्विलांस के जरिए उसकी लोकेशन नैनीताल में मिलने पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ स्वरूप नगर, काकादेव, नवाबगंज, कल्याणपुर सहित विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, मारपीट समेत कुल छह मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे।

सुनील बजाज, डॉ. दिवाकर मिश्र भाजपा प्रांतीय परिषद में मनोनीत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भाजपा ने शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. दिवाकर मिश्र और भाजपा कानपुर उत्तर के पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील बजाज को पार्टी की प्रांतीय परिषद में मनोनीत किया है। ये दोनों चयन कानपुर उत्तर जिले के लिए हुए, जबकि कानपुर दक्षिण जिले से रघुराज शरण गुप्ता को प्रांतीय परिषद में शामिल किया गया है। यह जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. दिवाकर मिश्र बीएनएसडी इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं।शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। सुनील बजाज कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। तीनों नेताओं के मनोनयन पर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह और ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने बधाई दी है। इनके साथ ही पार्टी ने कानपुर देहात से राहुल देव अग्निहोत्री और विजय कुमार सोनी को भी प्रांतीय परिषद के लिए मनोनीत किया है।

मकनपुर अंडरपास के नीचे स्कूली बस हादसा

कंटेनर से टकराई बस, चालक घायल, बच्चे सुरक्षित

» परिजन मौके पर पहुंचे, कंटेनर चालक हिरासत में, जांच जारी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। गुरुवार सुबह अरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत मकनपुर गांव के पास अंडरपास के नीचे स्कूली बच्चों को ले जा रही बस अचानक कंटेनर से टकरा गई। टक्कर के कारण बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन खुशी की बात यह रही कि बस में सवार सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित रहे।

जानकारी के मुताबिक बीबीपुर स्थित प्रभा सनराइज एजुकेशन सेंटर की बस बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। मकनपुर अंडरपास के पास कंटेनर चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया, जिससे पीछे चल रही बस टकरा गई। हादसे में बस चालक वीरेश तिवारी (निवासी सिंघौली) को मामूली चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायल चालक का इलाज कराया। सूचना पाकर बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंचे और अपने बच्चों को घर ले गए।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के लिए कंटेनर चालक की लापरवाही जिम्मेदार है। मकनपुर चौकी इंचार्ज विशाल ने बताया कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। कंटेनर चालक को हिरासत में लिया गया है और उसकी पूछताछ जारी है। बस में लगभग 20-25 बच्चे सवार थे।

गरम कंबल पाकर खिले जरूरतमंदों के चेहरे, बोले- साहब जी... शुक्रिया!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। पिछले दो दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच प्रशासन ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। बुधवार की रात तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने बिल्हौर ब्लॉक के इलियासपुर गांव की नदी किनारे बसी गरीब बस्ती में पहुंचकर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। अचानक प्रशासन को अपने बीच पाकर गरीब और असहाय परिवारों की आंखों में उम्मीद की चमक साफ दिखाई दी। कंबल मिलते ही ठंड से ठिठुर रहे बुजुर्गों, महिलाओं और मासूम बच्चों के चेहरों पर सुकून और मुस्कान लौट आई। कंबल पाकर जरूरतमंदों ने शुक्रिया अदा किया।

इलियासपुर गांव में नदी किनारे बसी गरीब बस्ती में तहसीलदार ने बांटे गरम कंबल

अचानक मौसम के तापमान में भारी गिरावट आने से कोहरे और शीतलहर का प्रकोप बढ़ने लगा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नदी किनारे ठंड रात में जानलेवा साबित हो रही थीं, ऐसे में कंबल उनके लिए किसी राहत से कम नहीं हैं। इस दौरान कानूनगो कीर्ति, ग्राम प्रधान विपिन कटियार, क्षेत्रीय लेखपाल सुनील चौधरी, ललित रजक, सदा बृज बिहारी,पंकज समेत अन्य लोग मौजूद रहे। तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने कहा कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद असहाय न रहे, इसके लिए शासन- प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी कंबल व अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस संवेदनशील और मानवीय पहल की खुले दिल से सराहना की। उनका कहना था कि जब जिम्मेदार अधिकारी स्वयं रात में गांव पहुंचकर गरीबों की सुध लेते हैं, तो जनता का भरोसा और मजबूत होता है। कड़ाके की ठंड में प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम जरूरतमंदों के लिए संजीवनी साबित हुआ।

कोहरे में सुरक्षा बढ़ाने को एनएचएआई का विशेष अभियान शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। घने कोहरे के मौसम में सड़क हादसों की आशंका को देखते हुए एनएचएआई ने सुरक्षा अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को नेवादा टोल प्लाजा से मानपुर गांव के सामने हाईवे तक चलाए गए अभियान के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य वाहनों को रोककर उनके आगे और पीछे रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि कोहरे में दूर से ही वाहन नजर आ सकें।

अभियान के दौरान दोपहिया चालकों को हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट के प्रयोग के साथ निर्धारित गति में वाहन चलाने के लिए जागरूक किया गया। एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि कोहरे के कारण दृश्यता कम हो जाती है, ऐसे में रेडियम पट्टियां दुर्घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाती हैं।

एनएचएआई प्रबंधक आदित्य के अनुसार इस अभियान के तहत 40-50 वाहनों में रेडियम पट्टी लगाई गई। मौके पर एनएचएआई के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

बिल्हौर व शिवराजपुर सीएचसी पर आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

नारेबाजी कर मानदेय बढ़ोत्तरी और बकाया भुगतान की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। आशा कार्यकर्ताओं का आंदोलन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को बिल्हौर और शिवराजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर बड़ी संख्या में आशा बहुओं ने मानदेय बढ़ाने और विभिन्न बकाया भुगतानों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। बिल्हौर सीएचसी में प्रदर्शनकारी आशा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएचसी प्रभारी को सौंपा। प्रदर्शन में आशा देवी, ऋतु शुक्ला, नीलम कटियार, माधुरी देवी, रजनी कटियार, प्रीति कटियार, रामलता और सरल समेत बड़ी संख्या में आशा बहुएं शामिल हुईं।

इस दौरान सपा नेता रचना गौतम भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं और आशा कार्यकर्ताओं को समर्थन दिया। उन्होंने सड़क से संसद तक आशा कार्यकर्ताओं के आंदोलन का साथ देने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर उनकी मांगों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

वहीं, शिवराजपुर सीएचसी में भी आशा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर वहां सपा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विनय यादव पहुंचे और उन्होंने आशा बहुओं को समर्थन देने का भरोसा दिया। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मांगें गंभीरता से सुनी जानी चाहिए।

»सपा नेता रचना गौतम और विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने दिया समर्थन।

आंदोलन में शामिल आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे अपने मानदेय में बढ़ोत्तरी और बकाया भुगतान को लेकर डटी रहेंगी और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

सम्पादकीय

एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित हो

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है।

मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं।, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतः संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई।

आइसिस की जड़ों को भारत में ढूंढ़ने की ज़रूरत

गुरबचन जगत

बौंडी बीच हत्याकांड में हैदराबाद के साजिद अकरम का शामिल होना सवाल खड़ा करता है कि क्या आइसिस, भारत में अपने स्लीपर सेल चला रहा है? 2020 में गृह राज्यमंत्री ने बताया था कि एनआईए ने दक्षिणी राज्यों, जिसमें आंध्र...बौंडी बीच हत्याकांड में हैदराबाद के साजिद अकरम का शामिल होना सवाल खड़ा करता है कि क्या आइसिस, भारत में अपने स्लीपर सेल चला रहा है? 2020 में गृह राज्यमंत्री ने बताया था कि एनआईए ने दक्षिणी राज्यों, जिसमें आंध्र प्रदेश भी शामिल है, में आइसिस की मौजूदगी से जुड़े 17 मामले दर्ज कर, 122 लोगों को गिरफ्तार किया था।

सीरिया के शासन प्रमुख अपने देशवासियों के साथ गर्व महसूस कर रहे हैं। वजह, अहमद अल-अहमद हैं। सीरियाई मूल का अहमद अल-अहमद, सिडनी के सदरलैंड शायर में एक दुकान चलाता है। बौंडी बीच पर उसके कारनामों ने उसे दुनियाभर में एक शांत दुकानदार से बहादुरी के प्रतीक में बदल दिया। हथियारबंद हमलावरों का सामना करने की कोशिश में अल-अहमद को दो गोलियां लगीं। उन्हें सिडनी के एक अस्पताल में तत्काल ले जाया गया, वहां उनकी सर्जरी हुई, और अब वो ठीक हैं। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर, क्रिस मिन्स ने उनसे मिलने के बाद फेसबुक पर लिखा—'अल-अहमद की अविश्वसनीय बहादुरी ने निस्संदेह अनगिनत जानें बचाईं, जब उन्होंने अपनी जान का रिस्क लेकर एक आतंकवादी को निहत्था किया। ये है असली हीरो।' इस हमले की विश्वव्यापी निंदा की गई है। अल-अहमद ने सीरिया का सिर ऊंचा किया। भारत शर्मिंदा, और सन्नाटे में है। वजह हमलावरों का हैदराबाद कनेक्शन है।बौंडी बीच हमले में मृतकों की संख्या 16 हो गई है, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वालों में से एक बंदूकधारी भी शामिल है, जिसकी पहचान पुलिस ने 50 वर्षीय साजिद अकरम के रूप में की है। उस शख्स का 24 वर्षीय बेटा नवीद अकरम, गोली लगने के बाद अस्पताल में गंभीर हालत में बताया जा रहा है। साजिद अकरम हैदराबाद का था, और उसका बेटा नवीद अकरम ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट धारक था। बौंडी बीच शूटर साजिद अकरम 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया था। उसके रिश्तेदारों ने बताया, 'साजिद अकरम 2001 में अपनी यूरोपीय मूल की पत्नी को एक निकाह समारोह के लिए हैदराबाद लाया था, और अपने बेटे नवीद अकरम को 2004-05 में अपने माता-पिता से मिलवाने के लिए लाया था।'ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने जानकारी दी, कि दोनों जने पिछले महीने फिलीपींस गए थे, पिता भारतीय पासपोर्ट पर, और बेटा ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट पर। फिलीपींस के अधिकारियों ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद जांच के दायरे में है, और यह कहना पक्का नहीं है कि वे किसी आतंकवादी समूह से जुड़े थे, या उन्हें उस देश में ट्रेनिंग मिली थी। मंगलवार को अपने बयान में, तेलंगाना पुलिस ने कहा कि 1998 में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद से साजिद अकरम छह बार भारत आया था, मुख्य रूप से पारिवारिक कारणों से। बयान में यह भी कहा गया, कि भारत छोड़ने से पहले उसका कोई 'बुरा रिकॉर्ड' नहीं था। हमलावरों ने बोंडी बीच पर हाहाकारी हमले से पहले फिलीपींस में एक महीना बिताया था। फिलीपींस में ब्यूरो ऑफ़ इमिग्रेशन ने कन्फर्म किया है, कि बाप-बेटे नरसंहार से पहले उनके देश में 28 दिन रुके थे। इमिग्रेशन प्रवक्ता डाना सैंडोवल ने बुधवार को कहा, कि 50 साल का साजिद अकरम और उसका बेटा 24 साल का नवीद अकरम 1 नवंबर, 2025 को निनॉय एक्विनो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जिसके बाद उन्होंने दावो इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ली थी।

तोपों की लगातार फायरिंग की गड़गड़ाहट दूर तक सुनाई देती

युद्ध से हटकर गाथा

पंकज चतुर्वेदी

भारत-पाक के बीच युद्धों में छम्ब-जौड़ीयां सेक्टर पाकिस्तान के सैन्य योजनाकारों के लिए एक रणनीतिक आसक्ति बना रहा। साल 1971 के युद्ध में भी यहां तैनात भारतीय सेना की 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन की दुश्मन की सेना से भीषण भिड़ंत हुई। एक बार तो लगा कि भारतीय फौजी टुकड़ी हर तरह से फंस गयी, लेकिन किस्मत ने साथ दिया।

सत्रह दिसम्बर 1971 की रात, 8 बजे, पश्चिमी मोर्चे पर भारत-पाकिस्तान युद्ध में, पंद्रह दिनों तक लगभग निरंतर चली जानलेवा लड़ाई के बाद, समूचे छम्ब युद्ध क्षेत्र में अचानक गहराया सन्नाटा मुझे ब्रह्मांड में उस सर्वव्यापी अलौकिक शांति की याद दिला गया, जो ईश्वर द्वारा पृथ्वी पर जीवन के सृजन से पहले पसरा होगा। लेकिन, क्या हमने युद्ध खत्म होने की खुशी में नाच-गाना किया?अपनी बात करूं तो, मैं तो बस हैरान था कि यह सब हो क्या रहा है, ठीक वैसे ही जैसे कि कवि रॉबर्ट साउदर्न से 'ब्लेंहेम की लड़ाई' के बारे में दो किशोर पोते-पोतियों ने मासूमियत से पूछा था 'अब हमें युद्ध के बारे में बताओ, और वे एक-दूसरे से क्यों लड़े?...' और कविता इन पंक्तियों के साथ खत्म होती है... 'और सबने ड्यूक की तारीफ की जिसने यह महान लड़ाई जीती।' । कवि ने कहा : 'क्यों, यह मैं नहीं बता सकता लेकिन यह शानदार जीत थी'। इतिहास में देखें तो, तीनों भारत-पाकिस्तान युद्धों में भारतीय उपमहाद्वीप का यह छोटा सा हिस्सा पाकिस्तान के सैन्य योजनाकारों के लिए एक सामरिक आसक्ति बना रहा और दक्षिणी पीर पंजाल क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाने के लिए युद्ध की शुरुआत का मुहाना एवं जम्मू क्षेत्र के लिए संभावित खतरा रहा अलबता वे इसमें सफल नहीं हुए। इन प्रवृत्तियों के मद्देनज़र,द्वितीय विश्व युद्ध की नामी 10वीं इन्फैंट्री डिवीजन को छम्ब-जौड़ीयां सेक्टर में रक्षा स्थिति मजबूत करने और 1965 के युद्ध में छम्ब सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा कब्जाए इलाके को फिर हासिल करने के उद्देश्य से तैनात किया गया था। लेकिन यहां हमारे पाकिस्तानी दुश्मनों ने 3 दिसंबर, 1971 की शाम शुरू हुए साहसिक पूर्व-आक्रमण से हमें मात दे डाली। उनका मंसूबा तभी साफ हो गया जब विभिन्न कैलिबर की लगभग 180 तोपों ने एक साथ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे नारंगी-गुलाबी रोशनी फैल गयी, तोपों की लगातार फायरिंग की गड़गड़ाहट दूर तक सुनाई देती। लेकिन अगले पल, वह ज़बरदस्त आवाज़ हमारे चारों ओर बरसने वाले घातक गोलों के कानफाड़ू धमाकों के सामने फीकी पड़ गई। तारों से भरा आसमान, धुएं और मलबे के गुबार से ढक गया। पांच दिसंबर की रात तक पाकिस्तान ने तवी नदी के पश्चिम तट का बचाव कर रही 191 इन्फैंट्री ब्रिगेड ग्रुप के ज्यादातर भाग को लगभग निष्क्रिय कर डाला था, सिवाय 12वीं फील्ड रेजिमेंट (आर्टिलरी) के, और जी-ओ-सी ने 6 दिसंबर को अपने कमांडरों को पीछे हटने को कहा।

लग रहा था कि हमारी कमांड रेडियो फ्रीक्वेंसी हैक हो गई क्योंकि उस रात तोपखाने के अनवरत हमलों ने खूनखराबे में और इजाफा कर दिया।6 दिसंबर को लगभग 5 बजे, 191वीं ब्रिगेड ने 12वीं फील्ड रेजिमेंट द्वारा दिए कवरिंग फायर के तहत पीछे हटना शुरू किया और पौने आठ बजे तक, अलग-थलग पड़ चुकी 12वीं फील्ड की हालत देख, दुश्मन ने तवी तट पर घोड़े की नाल जैसी घेराबंदी बनाकर, हम तोपचियों को उसके तंग होते घेरे में फांसने का मौका हथिया लिया!

जैना पैलेस कंपनी की ठगी पर बड़ा कदम, एसआईटी गठित

विशेष जांच दल के गठन से पीड़ितों में न्याय की उम्मीद

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» 30 दशक पहले कंपनी ने 20 से अधिक लोगों को फ्लैट दुकान बिक्री की अब कंपनी ने बिना बताए उनके फ्लैट दुकानों पर बुलडोजर चला दिया

कानपुर। सिटी के रतनलाल नगर में जैना पैलेस कंपनी द्वारा वर्षों से लोगों के साथ की गई कथित ठगी और चापलूसी के गंभीर आरोपों को लेकर अब मामला निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। स्वराज इंडिया द्वारा इस पूरे प्रकरण को मजबूती से उठाए जाने के बाद पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने मामले की गहन जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन कर दिया है। इस निर्णय के बाद जैना पैलेस से जुड़े सैकड़ों पीड़ितों में न्याय मिलने की उम्मीद एक बार फिर जाग उठी है।

पीड़ितों का आरोप है कि जैना पैलेस कंपनी ने करीब तीन दशक पहले लोगों से धन लेकर फ्लैट और दुकानों का आवंटन किया था। कागजी प्रक्रियाओं में खामियां, भरोसे का दुरुपयोग और बाद में जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसे कृत्यों के चलते आज बड़ी संख्या में लोग अपने ही घर और कारोबार को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

आरोप है कि कंपनी ने रसूख और चापलूसी के सहारे लंबे समय तक सच्चाई को दबाए रखा, जिससे आम लोग लगातार ठगे जाते रहे। स्वराज इंडिया ने इस मुद्दे को सार्वजनिक मंच पर उठाते हुए इसे केवल भवन ध्वस्तीकरण का मामला नहीं, बल्कि संगठित ठगी और जमीन से जुड़े बड़े खेल का उदाहरण बताया। पार्टी का कहना है कि यह मामला करोड़ों रुपये की संपत्ति, सैकड़ों परिवारों के आशियाने और वर्षों की मेहनत से जुड़े भविष्य का है, जिसे किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पुलिस आयुक्त द्वारा विशेष जांच दल के गठन के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच होगी। जांच दल जैना पैलेस कंपनी की भूमिका, आवंटन प्रक्रिया, धन लेनदेन, दस्तावेजों की स्थिति और कथित मिलीभगत के हर पहलू की पड़ताल करेगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि किन परिस्थितियों में वर्षों से बसे लोगों को अचानक बेदखली और ध्वस्तीकरण का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ितों का कहना है कि अब तक वे खुद को असहाय महसूस कर रहे थे, लेकिन विशेष जांच दल के गठन से उन्हें भरोसा मिला है कि उनकी आवाज सुनी जाएगी। लोगों को उम्मीद है कि दोषियों पर कार्रवाई होगी और निर्दोष परिवारों को राहत मिलेगी। जैना पैलेस प्रकरण अब केवल एक स्थानीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यवस्था, जवाबदेही और आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा बड़ा सवाल बन चुका है। आने वाले दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई से यह तय होगा कि क्या पीड़ितों को वास्तव में न्याय मिल पाएगा और क्या वर्षों से चली आ रही ठगी की परतें उजागर हो सकेंगी।वहीं केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने बताया कि केडीए और कंपनी के बीच चल रहा बकाए का विवाद खत्म हो गया लीज बढ़ा दी गई है। अब विवाद कंपनी और स्थानीय खरीददारों का आपसी है उसको पुलिस प्रशासन के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, प्राधिकरण का कोई लेना देना नहीं है।

गंगा पर तैरेगा इतिहास: कानपुर-उन्नाव को फिर जोड़ने की राह बनाएगा पीपा पुल

पुराना गंगा पुल गिरने के बाद अब पीपे के पुल से यातायात शुरू करने की कवायद

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा की धारा पर एक बार फिर इतिहास तैरने को तैयार है है। आधुनिक पुलों और कंक्रीट के युग में कानपुर-उन्नाव को जोड़ने के लिए पीपा पुल का निर्णय केवल अस्थायी तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि उस दौर की वापसी है जब गंगा पार करना साहस, कौशल और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़ा होता था।पुराने गंगा पुल के बंद होने और नए पुल के निर्माण में करीब दो वर्ष लगने की संभावना के बीच शासन ने पीपा पुल को विकल्प के रूप में चुना है, जो अतीत के अनुभव को वर्तमान की जरूरत से जोड़ता है।

550 मीटर लंबा तैरता पुल, 120 पीपों पर होगा तैयार

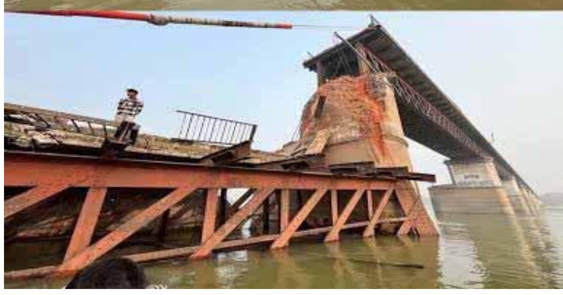

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) शुक्लागंज से पुराने गंगा पुल के पास लगभग 550 मीटर लंबे पीपा पुल का निर्माण करेगा। इसके लिए प्रयागराज से 120 पीपे मंगाए जाएंगे, जिन्हें ट्रालों के माध्यम से गंगा में उतारकर तैरता पुल बनाया जाएगा।

शासन ने निर्माण कार्य और पीपों की आपूर्ति के लिए डेढ़ करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया है। विभाग ने तकनीकी तैयारियां शुरू कर दी हैं और इसके लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

एक दशक बाद फिर चुनौती बना पीपा पुल निर्माण

पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के अनुसार बीते 10 वर्षों में कहीं भी पीपा पुल का निर्माण नहीं हुआ है। इससे पहले बिठूर में हर साल पीपा पुल बनाया जाता था, लेकिन स्थायी पुल बनने के बाद यह व्यवस्था समाप्त हो गई थी। लंबे अंतराल के बाद गंगा पर फिर से पीपा पुल बनाना तकनीकी और लॉजिस्टिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है। दिलचस्प यह है कि पुल बनाने से अधिक खर्च पीपों को प्रयागराज से मंगाने में आएगा। मुख्यमंत्री स्तर से मिली स्वीकृति जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीधे मुख्यमंत्री स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद यह जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है। गंगा पर बनने वाला यह तैरता पुल केवल वाहनों की आवाजाही का साधन नहीं होगा, बल्कि उस विरासत को भी जीवित करेगा जब नदी पर चलना खुद में एक अनुभव हुआ करता था।

यह फैसला इस बात का प्रतीक है कि आधुनिक विकास की दौड़ में कभी-कभी समाधान अतीत की राह से होकर ही निकलता है।

इतिहास से जुड़ा शुक्लागंज और गंगाघाट

इतिहासकार अनूप कुमार शुक्ल के अनुसार, वर्ष 1802 में जिला बनने के बाद उन्नाव का संपर्क पीपा पुल के जरिए ही स्थापित हुआ था। उस समय परमट घाट से उन्नाव तक बना पीपा पुल गंगा के दोनों किनारों को जोड़ने वाली जीवनरेखा था।

यह सिर्फ आवागमन का साधन नहीं था, बल्कि राजस्व का बड़ा जरिया भी था। ऊंट, घोड़े और गाडिय़ों के लिए अलग-अलग कर वसूले जाते थे। व्यापारियों की कतारें और यात्रियों की आवाजाही उस दौर की पहचान थीं।

अंग्रेजी दौर से स्थायी पुलों की शुरुआत

अंग्रेजी शासन के दौरान स्थायी पुलों का दौर शुरू हुआ। 1875 में ऐतिहासिक गंगा पुल (पुल संख्या-1) का निर्माण हुआ, जो स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा। बाद में रेलवे और सडक़ यातायात के लिए डबल पुल (पुल संख्या-2) बनाया गया।शुक्लागंज, जो उन्नाव जिले में स्थित होते हुए भी कानपुर का उपनगर बन गया, गंगा किनारे बसे होने के कारण 'गंगाघाट' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। वर्ष 1935 में डी.सी. ए.एन. शुक्ला ने इस क्षेत्र को व्यवस्थित स्वरूप दिया।

आधुनिक मजबूरी, ऐतिहासिक समाधान

समय के साथ पक्के पुलों ने पीपा पुलों की जगह ले ली और यह व्यवस्था इतिहास की किताबों तक सिमट गई। अब लगभग दो सौ साल बाद पीपा पुल की वापसी हो रही है।

फर्क बस इतना है कि पहले यह तकनीक की सीमा थी और आज आधुनिक निर्माण की समय-सीमा की मजबूरी।

क्या बोले पीडब्ल्यूडी अधिकारी

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्र ने बताया-शुक्लागंज से पुराने गंगा पुल से लगभग सौ मीटर की दूरी पर पीपा पुल का निर्माण किया जाएगा। शासन ने इसके लिए डेढ़ करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया है। नए पुल के निर्माण तक लोगों के आवागमन को सुचारु रखने के लिए यह व्यवस्था की जा रही है।

एक नजर में पूरी कहानी

- » कानपुर-उन्नाव को जोड़ने के लिए गंगा पर फिर बनेगा पीपा पुल, करीब 200 साल पुरानी व्यवस्था की ऐतिहासिक वापसी।
- » पुराना गंगा पुल बंद होने और नए पुल के निर्माण में दो साल लगने के कारण शासन ने अस्थायी समाधान चुना।
- » लोक निर्माण विभाग 550 मीटर लंबा पीपा पुल बनाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।
- » प्रयागराज से 120 पीपे लाकर गंगा में उतारे जाएंगे, इन्हीं पर तैरता हुआ पुल तैयार होगा।
- » शासन ने पीपा पुल निर्माण के लिए 1.5 करोड़ रुपये का बजट जारी किया, टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ।
- » पिछले एक दशक से कहीं भी पीपा पुल का निर्माण नहीं हुआ, जिससे यह कार्य तकनीकी चुनौती बना।
- » मुख्यमंत्री स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी को जिम्मेदारी सौंपी गई।
- » नया स्थायी पुल बनने तक पीपा पुल ही कानपुरङ्कउन्नाव के बीच आवागमन का प्रमुख सहारा बनेगा।

रास्ते की बाधा दूर करने में जुटे समाज के सेवक

»जेसीबी से सड़कों पर मुसीबत बनी खड़े बबूल के पेड़ों को साफ किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत समस्तपुर न्योराज में समाजसेवी शेर सिंह ने गांव में आवागमन के लिए सड़कों पर मुसीबत बनी खड़े बबूल के पेड़ों को जेसीबी चलवा कर छटाई व साफ सफाई कराई। गांव रिवरी,अड्डनपुरवा,गपचरियापुर के लोगों को आवागमन में राहत मिली। उन्होंने बताया कि जिम्मेदारों से सड़कों पर अतिक्रमण बने पेड़ों को हटाने को कहा लेकिन उन्होंने जब ध्यान नहीं दिया तब उन्होंने स्वयं साफ सफाई की जिम्मेदारी ली। उनका लक्ष्य गांव व पूरी पंचायत को साफ स्वच्छ बनाने का है। यहां प्रमुख रूप से प्रवीण यादव, सत्यम यादव,प्रांजल यादव,विपिन, ओमेंद्र, दीपक, अनुज यादव,गोलू रणवीर यादव,पिंटू, रवि आदि लोग मौजूद रहे।

कक्षा 7 के छात्र ने की आत्महत्या परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मगनू मजरा जोत गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां एक 12 वर्षीय छात्र ने रात्रि अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस ने जांच पड़ताल की। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराए जाने से इनकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मृतक की पहचान आसाराम के पुत्र अमित कुमार 12 वर्ष के रूप में हुई है। अमित कक्षा 7 का छात्र था।अमित ने रात अपने कमरे की छत में लगे कुंडे से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक लगभग एक वर्ष पूर्व छत से गिरने के कारण अमित की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराए जाने से इनकार कर दिया।जिसके बाद पुलिस ने विधिक कार्यवाही के पश्चात शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि की है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता ने की आत्महत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र के बैरी दरियाव गांव में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है। मृतका की पहचान भगतसिंह की पत्नी अंजनी के रूप में हुई है।अंजनी ने बुधवार शाम अपने कमरे में छत में लगे कुंडे के सहारे फांसी लगा ली। मृतका का पति भगतसिंह मजदूरी करता है। दोपहर को लौटे तो कमरे में अंजनी का शव फंदे से लटका हुआ था। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि प्राथमिक छानबीन में मामला आत्महत्या का सामने आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

कड़ाके की ठंड में एक उम्मीद बनी सहारा जिला मुख्यालय पर किया चाय वितरण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ठंड ने भले ही अभी पूरी तरह दस्तक न दी हो, लेकिन लगातार गिरते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ऐसे में एक उम्मीद जन कल्याण समिति, जिसने जिला मुख्यालय परिसर में चाय वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष चरण सिंह और महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष प्राची कटिहार ने किया। उनके साथ समिति के तमाम सहयोगी मौजूद रहे। चाय वितरण का यह आयोजन जिला मुख्यालय में तैनात कर्मचारियों, दूर-दराज से आए फरियादियों और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही आशा बहुओं के लिए किया गया।

समिति के अध्यक्ष चरण सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष दीक्षा यादव के नेतृत्व और प्रेरणा से आयोजित किया गया है। उनका मानना है कि समाज के हित में कार्य करना ही सच्ची सामाजिक सेवा है। इसी सोच के साथ एक उम्मीद जन कल्याण समिति निरंतर जनसेवा के कार्य कर रही है।हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष दीक्षा यादव के नेतृत्व में समिति समाज के हित में लगातार कार्य कर रही है। ठंड के मौसम में यह छोटा सा प्रयास जरूरतमंदों के लिए राहत बने, यही हमारी मंशा है।

मिट्टी ढो रही ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

» दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग पर अड़े परिजन, लगाया जाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में इस समय मिट्टी का खनन जोरों पर चल रहा है। इसी क्रम में बुधवार शाम करीब पांच बजे नोनापुर गांव के पास मिट्टी ढो रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के सुजौर गांव निवासी 28 वर्षीय सचिन सचान के रूप में हुई है।घटना के बाद परिजनों ने कार्यवाही की मांग को लेकर शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी भोगनीपुर देवेंद्र सिंह,पुलिस क्षेत्राधिकारी संजय सिंह तथा कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पहुंचे।अधिकारियों ने परिजनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया परन्तु परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों ने बताया कि सचिन किसी काम के पुखरायां कस्बा गया हुआ था तभी नोनापुर गांव के पास यह हादसा हो गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों की समीक्षा

» सम्बन्धित विभाग, संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षाके दिए निर्देश

» कार्यदायी संस्थायें समयान्तर्गत निर्माण कार्यों को करें पूरा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यो की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट की गयी। बैठक में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिये। उन्होंने कहा कि संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्रगति लायी जाये। जिलाधिकारी द्वारा बी,सी,डी, श्रेणी में प्रदर्शित योजनाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा निर्माण कार्यां की समीक्षा की गयी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को परियोजनाओं को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाऐं निर्धारित समयावधि में मानक व गुणवत्ता का पालन करते हुए कार्यो को पूर्ण करायें, सम्बन्धित विभाग निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं व सम्बन्धित विभागों को निर्माण कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकड़ें पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा कार्यदायी संस्थाओं से विभिन्न निर्माण कार्यो के अद्यतन भौतिक प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जायेगी। बैठक में सीएमओ डा0 एके सिंह,उपायुक्त मनरेगा गंगाराम, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, उपायुक्त उद्योग मो . सउद, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप निदेशक कृषि हरीशंकर भार्गव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रतिभा सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने समीक्षा बैठक कर कानून व्यवस्था मजबूत करने के दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पांडेय ने जनपद में कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही थाना अकबरपुर का औचक निरीक्षण कर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाने, अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाना स्तर पर प्रभावी पेट्रोलिंग बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों,वाहनों की चेकिंग, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, साइबर अपराधों पर विशेष निगरानी रखने तथा जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के दिशा–निर्देश दिये। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना अकबरपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, हवालात, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष, विभिन्न रजिस्टरों तथा थाने में रखे गए अभिलेखों एवं माल–मुकदमाती की स्थिति का गहनता से जायजा लिया। थाना परिसर की साफ–सफाई, थाना भवन की स्थिति तथा पुलिस कर्मियों की ड्यूटी व्यवस्था की भी बारीकी से जांच की गई। एसपी ने थाना प्रभारी एवं अन्य स्टाफ के साथ वार्ता कर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव के समीप बुधवार रात एक अज्ञात वाहन एक बाइक सवार को रौंदता हुआ निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौजूद स्थानीय लोगो के द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। मृतक के पास मिली बाइक नम्बर यूपी 92 एआर 0428 से बाइक मालिक का पता किया तो पता चला मृतक नवासी थाना कुठौंध जनपद जालौन का है। पुलिस के द्वारा थाना कुठौंध पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। भोगनीपुर कोतवाली पहुंचे निर्भय सिंह ने मृतक की शिनाख्त अपने पुत्र विमल सिंह (27) के रूप में की। निर्भय सिंह ने बताया कि उसका पुत्र भोगनीपुर किसी निजी कार्य से आया हुआ था।

अस्पताल में महिला के साथ हुई अभद्रता पर एफआईआर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला अस्पताल में गर्भवती महिला से अभद्रता पर संविदा कर्मी रोहित यादव के खिलाफ अकबरपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सदर कोतवाल हरमीत ने बताया कि रुखसार के मुताबिक 15 दिसंबर को दोपहर अपने पति उस्मान के साथ जिला अस्पताल अकबरपुर में इलाज के लिए गई थी। अस्पताल परिसर में पति उस्मान द्वारा गुटका मसाला खाकर दीवार पर थूकने को लेकर अस्पताल के संविदा कर्मी रोहित यादव उर्फ सचिन निवासी सलावतपुर से विवाद हो गया। इस दौरान संविदाकर्मी पर महिला ने अभद्रता करने का आरोप लगाया है।

कानपुर देहात में बोर्ड परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी, 83 केंद्रों पर लगी मुहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। परिषद कार्यालय की स्वीकृति के बाद अब जिले में कुल 83 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षा कराई जाएगी। इससे पहले परिषद कार्यालय द्वारा जारी सूची में 79 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे, लेकिन बाद में जिला समिति की संस्तुति पर चार केंद्र और बढ़ा दिए गए।सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक सूची में कई जनप्रतिनिधियों से जुड़े विद्यालय परीक्षा केंद्र नहीं बन पाए थे। परीक्षा केंद्र निर्धारण में खामियों को लेकर परिषद कार्यालय ने विद्यालयों से प्रतिवेदन मांगे थे। इस पर करीब 45 विद्यालयों ने अपने-अपने विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाए जाने की मांग रखी थी। वहीं कुछ विद्यालयों ने अधिक परीक्षार्थी आवंटित किए जाने और छात्राओं को 20 किलोमीटर दूर केंद्र आवंटित होने की शिकायत भी दर्ज कराई थी।

इन सभी मामलों पर निर्णय का अधिकार जिला समिति को दिया गया था। बीते दिनों जिला समिति ने 83 परीक्षा केंद्रों की सूची तैयार कर बोर्ड कार्यालय भेजी थी, जिस पर परिषद कार्यालय ने अंतिम स्वीकृति प्रदान कर दी। बताया जाता है कि करीब एक दर्जन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने के लिए जनप्रतिनिधियों की सिफारिशें भी पहुंची थीं।

परिषद कार्यालय के अनुसार अब जिले में बोर्ड परीक्षा 83 केंद्रों पर संपन्न कराई जाएगी। जिन विद्यालयों ने प्रतिवेदन में संसाधन और व्यवस्थाओं की कमी का हवाला दिया था, उनके परीक्षा केंद्र काट दिए गए हैं। उनके स्थान पर नए विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने का अवसर दिया गया है। इनमें उदनापुर, भरतपुर, बेरी, सवाई गुजराई, बनीपारा, आघूकमालपुर, बरौर सहित करीब एक दर्जन विद्यालय शामिल हैं।हालांकि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब दो हजार परीक्षार्थी कम हुए हैं, इसके बावजूद परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ा दी गई है। अधिकांश इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालय परीक्षा केंद्र बनने में सफल रहे हैं। खास बात यह है कि एक ऐसा विद्यालय भी इस बार परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जो पिछले वर्ष प्रधानाचार्य विवाद के चलते केंद्र नहीं बन पाया था।

वहीं दूसरी ओर जिला समिति की सख्ती भी देखने को मिली है। तीन राजकीय विद्यालयों समेत करीब आधा दर्जन विद्यालयों से परीक्षा केंद्र का दर्जा वापस ले लिया गया है। अब इन विद्यालयों के परीक्षार्थियों को अन्य केंद्रों पर परीक्षा देनी होगी।

अलियापुर टोल के पास दो महीने से तड़प रही घायल गाय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रशासनिक लापरवाही और पशुपालन विभाग की उदासीनता का एक और गंभीर मामला सजेती थाना क्षेत्र से सामने आया है। थाना अंतर्गत अलियापुर टोल टैक्स (अमौली गांव) के पास पिछले करीब डेढ़ से दो महीने से एक गाय गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी हुई है। समय पर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत दिन–ब–दिन बिगड़ती जा रही है और अब उसकी जान पर खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने अपने स्तर से गाय के इलाज की कोशिश की, लेकिन ठंड बढ़ने के साथ ही उसकी हालत और नाजुक हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी पशु चिकित्सालय से न तो दवा उपलब्ध कराई गई और न ही किसी पशु चिकित्सक ने मौके पर पहुंचकर इलाज किया। पशु चिकित्सालय के स्टाफ का कहना है कि कई महीनों से दवाएं ही नहीं आ रही हैं। इस पूरे मामले ने पशुपालन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकारी मदद को छोड़िए किसी समाजसेवी संगठन ने भी इस तड़पती गाय पर नजर नहीं डाली।

(सनातन संस्कृति पर आस्था की मिसाल)

कानपुर में ब्राजील की महिला का हिंदू रीति से अंतिम संस्कार

गंगा में प्रवाहित हुई अस्थियां, भारत भ्रमण पर आई महिला की कानपुर देहात में हो गया था आकस्मिक निधन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारत भ्रमण पर आई ब्राजील की महिला पर्यटक की अचानक हुई मृत्यु के बाद सनातन संस्कृति के प्रति आस्था और सम्मान की एक भावुक मिसाल सामने आई है। ब्राजील निवासी महिला सिलीविया रेजीना की अंतिम इच्छा उनकी बेटी ने हजारों किलोमीटर दूर से व्यक्त की, जिसे प्रशासन और स्थानीय लोगों ने पूरी संवेदनशीलता के साथ पूरा किया।

घटना सोमवार की है, जब ब्राजील से भारत घूमने आई सिलीविया रेजीना की तबियत अचानक बिगड़ गई। वह अपने साथियों के साथ टैक्सी से कुल्लू मनाली से पश्चिम बंगाल की ओर जा रही थीं। कानपुर देहात के अकबरपुर क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप पर वाहन रुकने के दौरान उनकी हालत अचानक गंभीर हो गई। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महिला की मृत्यु के बाद उनके साथ मौजूद युवक मार्टिन और रूस की महिला ओल्गा भी गहरे सदमे में आ गए। शव को पोस्टमार्टम गृह में सुरक्षित रखवाया गया और परिजनों से संपर्क किया गया। इसी बीच ब्राजील से मृतका की बेटी नलिनी ने दूतावास के माध्यम से संदेश भेजा कि उनकी मां का अंतिम संस्कार हिंदू धर्म के अनुसार किया जाए और अस्थियां पवित्र गंगा नदी में प्रवाहित की जाएं।

बेटी की इस भावनात्मक इच्छा का सम्मान करते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। नायब तहसीलदार और अकबरपुर क्षेत्र के क्राइम इंस्पेक्टर की मौजूदगी में शव को कानपुर के भैरव घाट ले जाया गया। वहां विद्युत शवदाह गृह में पूरे विधि-विधान के साथ हिंदू रीति से अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के पश्चात मृतका की अस्थियां गंगा नदी में प्रवाहित की गईं, जिन्हें ब्राजील निवासी मार्टिन ने भावुक मन से प्रवाहित किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। प्रारंभिक तौर पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन पुष्टि न होने के कारण विसरा सुरक्षित रखा गया है।

यह घटना केवल एक विदेशी पर्यटक की मृत्यु भर नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति की उस व्यापक स्वीकार्यता और मानवीय संवेदना को दर्शाती है, जो देश की सीमाओं से परे जाकर लोगों के हृदय में स्थान बना लेती है। एक विदेशी बेटी द्वारा मां के लिए हिंदू धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार की इच्छा जताना और उसे भारतीय धरती पर पूरा किया जाना, सनातन संस्कृति के प्रति गहरी आस्था और सम्मान

कानपुर समेत कई शहरों में बदलेगी गृहकर वसूली व्यवस्था

चिप लगी नेमप्लेट और 16 अंकों की यूनिक आईडी से होगी वसूली

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर समेत सभी नगर निगम क्षेत्रों में गृहकर वसूली की व्यवस्था अब पूरी तरह बदलने जा रही है। टैक्स चोरी पर लगाम कसने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए शासन स्तर पर नई तकनीक आधारित प्रणाली लागू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। पुराने सिस्टम को हटाकर अब प्रॉपर्टी टैक्स मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत हर मकान, दुकान और दफ्तर को 16 अंकों की एक यूनिक पहचान संख्या दी जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक भवन पर चिप लगी विशेष नेमप्लेट लगाई जाएगी। इस चिप में संबंधित संपति की पूरी जानकारी दर्ज होगी, जिसमें मालिक का विवरण, क्षेत्रफल, उपयोग, टैक्स निर्धारण और भुगतान का पूरा रिकॉर्ड शामिल रहेगा।

जैसे ही किसी संपति का डाटा सिस्टम में दर्ज होगा, अधिकारियों को एक क्लिक पर उस भवन का पूरा टैक्स इतिहास दिखाई देगा। इससे न केवल टैक्स निर्धारण आसान होगा, बल्कि बकाया वसूली और निगरानी भी प्रभावी तरीके से हो सकेगी। इस नई व्यवस्था में सभी संपतियों को गूगल मैप पर भी अपलोड किया जाएगा। इससे नगर निगम और शासन को रियल टाइम निगरानी की सुविधा मिलेगी, वहीं टैक्स दाता भी ऑनलाइन अपने घर या दुकान की स्थिति देख सकेंगे। गृहकर की मांग, वसूली और बकाये की जानकारी अब तत्काल उपलब्ध रहेगी।

बताया जा रहा है कि वर्तमान में उपयोग हो रहा एनआईसी का सॉफ्टवेयर बंद कर दिया जाएगा और उसका पूरा डाटा नए पीटीएमएस पोर्टल पर स्थानांतरित किया जाएगा।

शासन का दावा है कि इस नई प्रणाली से न केवल राजस्व में बढ़ोतरी होगी, बल्कि नगर निगमों की कार्यप्रणाली भी अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत बनेगी।

जाजमऊ गंगा पुल पर रोके गए कांग्रेस कार्यकर्ता, जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर लखनऊ में भाजपा के प्रदेश कार्यालय के घेराव और विरोध प्रदर्शन को लेकर मंगलवार को कानपुर नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला अपने साथियों के साथ लखनऊ के लिए रवाना हुए। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते उन्हें जाजमऊ गंगा पुल पर ही रोककर गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात को ही लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव और प्रदर्शन का कार्यक्रम तय हो गया था, जिसकी भनक पुलिस की लोकल इंटेलिजेंस को लग गई थी। मंगलवार सुबह से ही संदीप शुक्ला और उनके साथ दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता लखनऊ जाने की तैयारी में जुटे थे। पुलिस संदीप शुक्ला को उनके आवास से गिरफ्तार करने पहुंची, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर अपने साथियों के साथ निकलने में सफल रहे। इसके बाद पुलिस ने लखनऊ जाने वाले सभी मार्गों पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी और सीमाओं को सील कर वाहनों की सघन चेकिंग की जाने लगी। जैसे ही संदीप शुक्ला अपने साथियों के साथ जाजमऊ गंगा पुल पहुंचे, वहां पहले से तैनात जाजमऊ और चकेरी थानों की पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सभी को वाहन से उतारकर हिरासत में लिया गया और जाजमऊ थाने ले जाकर बैठा दिया गया।

इस दौरान जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह और चकेरी थाना प्रभारी अजय मिश्रा के साथ संदीप शुक्ला की तीखी नोकझोंक भी हुई। थाने में बैठाए जाने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। करीब दो घंटे तक थाने में रखने के बाद संदीप शुक्ला को पुलिस बल के साथ जीप में बैठाकर कचहरी स्थित उनके कैंप कार्यालय में ले जाकर छोड़ दिया गया। संदीप शुक्ला के साथ लखनऊ जाते समय जिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, उनमें शक्ति पांडेय, मानेश दीक्षित, अंकित कन्नौजिया, शिवम पटवा, युवराज सिंह, इखलाक डेविड, एजाज रशीद, निखिल गुप्ता, सुनील कुरील, अभिषेक दीक्षित, उत्कर्ष और शिवांश राजपूत शामिल रहे।

पंचवटी द्वीप: सरयू के तट पर दिखेगा रामकथा का जीवंत संसार

समीर शाही स्वराज इंडिया

100 करोड़ की लागत से बन रहा श्री निलयम पंचवटी रिजार्ट, आकार ले रही आध्यात्मिक टेंट सिटी

» अयोध्या बनेगी वैश्विक धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र, 15 जनवरी 2025 से श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या अब केवल आस्था का नहीं, बल्कि अनुभव आधारित आध्यात्मिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनने की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। सरयू नदी की अविरल धारा के बीच आकार ले रहा श्री निलयम पंचवटी द्वीप इसी सोच का मूर्त रूप है। स्वराज इंडिया से विशेष बातचीत में प्रोजेक्ट के मैनेजर कुमार उज्ज्वल बताते हैं, यह सिर्फ़ एक रिसॉर्ट नहीं, बल्कि त्रेतायुग की अनुभूति कराने वाला जीवंत रामानुभव केंद्र है।

उन्होंने बताया कि करीब 75 एकड़ क्षेत्रफल में फैला यह द्वीप गुप्तारघाट से लगभग 600 मीटर दूर सरयू के मध्य स्थित है। कुल 100 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को नमामि गंगे और अर्थ गंगा की अवधारणा से प्रेरित बताया जा रहा है। कुमार उज्ज्वल कहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश ने हमें दिशा दी, जिसमें नदी को आस्था के साथ आजीविका और सतत विकास से जोड़ने की बात कही गई थी। कुमार उज्ज्वल बताते है कि पंचवटी द्वीप पर बनने वाली टेंट सिटी इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। यहां 25 टेंट कॉटेज होंगे, जिनमें एक या दो श्रद्धालु ठहर सकेंगे। टेंट कॉटेज का प्रारंभिक किराया 10,000 रुपये, जबकि सिंगल पैकेज 7000 रुपये से शुरू होगा। प्रवेश टिकट 900 रुपये का होगा और ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। त्योहारों—होली, नववर्ष और अन्य पर्वों पर दरों में बदलाव होगा।

रामकथा, योग और सरयू आरती

द्वीप पर रामचरितमानस के विभिन्न कांडों को मूर्तियों, भित्तिचित्रों और ऑडियो-विजुअल माध्यमों से प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही योग, सत्संग स्थल, सरयू आरती, भजन संध्या, सनराइज-सनसेट प्वाइंट और सात्विक रेस्टोरेंट श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराएंगे।

उज्ज्वल बताते है कि यहां एडवेंचर ज़ोन, नौकायन, पावर बोट, घुड़सवारी, ऊंट सवारी, तीरंदाजी, मैजिक शो, बच्चों का क्रीडस्थल और जिम ज़ोन भी विकसित किए जा रहे हैं।

विशेष आकर्षण के रूप में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए 'मान सरोवर बैंक्वेट' तैयार किया गया है। कुमार उज्ज्वल के अनुसार, इस प्रोजेक्ट से 200 से 300 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

पीपा पुल से आसान पहुंच

द्वीप तक पहुंचने के लिए सरयू पर 200 मीटर लंबा पीपा पुल बनाया जाएगा, जिस पर चार पहिया वाहन भी जा सकेंगे। यह पुल 15 अक्टूबर से 15 जून तक संचालित रहेगा। आस्था, संस्कृति, पर्यटन और रोजगार इन चारों का संगम बनता पंचवटी द्वीप आने वाले समय में अयोध्या की पहचान को नई ऊंचाई देगा। सरयू की लहरों के बीच साकार होती यह रामकथा, श्रद्धालुओं के लिए केवल यात्रा नहीं, बल्कि एक दिव्य अनुभूति होगी।

ऑपरेशन कन्विक्शन: 12 साल बाद अदालत से मिला इंसाफ

मानसिक ज़ुल्म भी बना हत्या का गुनाह, अदालत ने कहा आत्महत्या भी हत्या है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अभियोजन अधिकारी श्री संदीप सिंह

का० श्याम जी यादव पैरोकार थाना को० नगर

अयोध्या।इंसाफ अगर वर्दी और फाइलों में कहीं दब जाए तो उम्मीदें टूटने लगती हैं, लेकिन जब वही इंसाफ ऑपरेशन कन्विक्शन के संकल्प के साथ खड़ा होता है, तो सालों पुराने ज़ख्म भी बोल उठते हैं। अयोध्या मंडल के सुल्तानपुर जिले की एडीजे तृतीय निशा सिंह की अदालत से आया यह फैसला सिर्फ एक मुकदमे का अंत नहीं, बल्कि उस सोच का अंत है, जो मानसिक प्रताडऩा को घरेलू मामला कहकर नजऱअंदाज़ कर देती है। 12 साल पुराने आत्महत्या के मामले में अदालत ने साफ कहा अगर किसी की जिंदगी ज़ुल्म की रस्सी में कसती रही हो, तो आत्महत्या भी हत्या है। यह टिप्पणी न्यायिक इतिहास में एक नजीर है।

यह मुकदमा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत निर्णायक मोड़ तक पहुंचा। अभियोजन अधिकारी संदीप सिंह (सुल्तानपुर) और पैरोकार का. श्यामजी यादव ने इस केस को महज़ पुरानी फाइल मानकर नहीं, बल्कि एक मरे हुए इंसान की अनकही चीख समझकर अदालत के सामने रखा। बिखरे साक्ष्यों को जोड़ा गया, गवाहों की कड़ियां मिलाई गईं और यह साबित किया गया कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही मानसिक यातना का परिणाम थी। 10 जनवरी 2013 को दर्ज इस मामले में रजिस्ट्री दफ्तर के कर्मचारी प्रवीण कुमार पांडेय निवासी नियांवा जनपद अयोध्या की मौत को शुरू में निजी तनाव बताकर आगे बढ़ा दिया गया था। किराए के कमरे में रहने को मजबूर यह कर्मचारी भीतर ही भीतर टूट रहा था। अदालत ने माना कि यह कोई क्षणिक आवेग नहीं, बल्कि लगातार अपमान, दबाव और मानसिक प्रताडऩा की परिणति थी। अदालत ने मृतक की पत्नी सुधा तिवारी को दोषी मानते हुए चार साल के कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, सह आरोपी मुन्ना उर्फ इंद्रेश तिवारी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। यह फैसला बताता है कि कोर्ट भावनाओं से नहीं, तथ्यों से चलती है और यही न्याय की असली पहचान है।

यह फैसला उन हजारों मामलों को आईना दिखाता है, जहां मानसिक हिंसा को कानून की नजर में हल्का समझा जाता है। ऑपरेशन कन्विक्शन ने यह साबित कर दिया कि अगर नीयत मजबूत हो, तो समय की धूल में दबे सच को भी अदालत के कटघरे में खड़ा किया जा सकता है। यह फैसला एक चेतावनी है ज़ुल्म अगर रोज़-रोज़ किया जाए, तो वह आत्महत्या नहीं, हत्या कहलाएगा। और साथ ही एक भरोसा कि इंसाफ भले देर से आए, लेकिन सही हाथों में हो, तो ज़रूर आता है।

पंचदिवसीय कार्यक्रम में बहेगी आध्यात्म की निर्मल धारा

» अयोध्या में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों की भव्य श्रृंखला का आयोजन

» प्रतिष्ठा द्वादशी पर होने वाले पंचदिवसीय कार्यक्रम 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर आयोजित होने वाले पंचदिवसीय कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह आयोजन 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक चलेगा, जिसमें धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ कथा, रामलीला, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर करेंगी।

ट्रस्ट द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, प्रतिदिन प्रातः काल रामचरितमानस पाठ होगा, जबकि दोपहर में कथा और सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी सांस्कृतिक आयोजन सायं से रात्रि 9 बजे तक संपन्न होंगे। 29 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक मानस पाठ होगा। दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य द्वारा कथा प्रवचन दिया जाएगा। सायंकाल 5:30 से 7 बजे तक गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा रामलीला की प्रस्तुति होगी। 30 दिसंबर को भी यही कार्यक्रम और समय यथावत रहेगा।

31 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से 12:30 बजे तक मानस पाठ होगा। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक विशेष उद्घाटन सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र के बाद कथा का आयोजन किया जाएगा। सायंकाल 6 बजे से 7:30 बजे तक कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसके बाद अंशिका सिंह (वाराणसी) द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। नववर्ष के दिन, 1 जनवरी को प्रातः 8 से 2 बजे तक मानस पाठ और 2:30 से 5:30 बजे तक कथा होगी। सायंकाल 6 से 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा, तृप्त शाक्य के भजन तथा फिरोजाबाद के मयूरी डांस ग्रुप द्वारा रामकथा पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति शामिल है।

2 जनवरी को समापन कार्यक्रम

2 जनवरी को दिन के कार्यक्रम यथावत रहेंगे। सायंकाल सांस्कृतिक संध्या में सुरेश वाडेकर और संजोली पांडेय की प्रस्तुतियां होंगी। इसके साथ ही शालीना चतुर्वेदी ग्रुप (दिल्ली) द्वारा कथक नृत्य नाटिका 'राम की शक्ति पूजा' का मंचन किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, प्रतिष्ठा द्वादशी का यह आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक होगा।

अखिलेश ने भाजपा के संगठन में हुए बदलाव को लेकर कसा तंज

सात बार के सांसद को प्रदेश, पांच बार के विधायक को राष्ट्रीय अध्यक्ष

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा के संगठन में हुए बदलाव को लेकर तंज कसा और तीखा हमला बोला। अपनी विशिष्ट शैली में अखिलेश ने भाजपा के नए संगठनात्मक बदलावों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देखिये, भाजपा ने सात बार के सांसद (पंकज चौधरी) को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है और पांच बार के विधायक (नितिन नवीन) को राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान दी है। अखिलेश ने एक बार फिर यह बताने की कोशिश की कि केंद्र और यूपी भाजपा नेताओं में रस्साकशी चल रही है।

वहीं, कफ सिरप को लेकर भी प्रदेश की योगी सरकार पर हमला बोला। कहा कि हजारों करोड़ का घोटाला सामने आ चुका है। मुल्यांकन करने वाले डर के कारण भाग गए हैं। इसके बाद भी बुलडोजर खामोश है। कोई एक्शन नहीं हो रहा है। कफ सिरप की जांच में जुटी एसटीएफ पर भी अखिलेश यादव ने हमला बोला। उन्होंने इसे हजारों करोड़ का घोटाला बताते हुए कहा कि प्रदेश में बड़े-बड़े अपराधी कालीन भैया की तरह खुलेआम घूम रहे हैं। जौनपुर के पूर्व सांसद पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि कोडीन भैया सड़क पर घूम रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र और उसके बगल के जिले के ऐसे कोडीन भैया को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

खाद की किल्लत और वंदे मातरम् का कवच

किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि अगर कहीं खाद मिल रही हो तो हमें बताएं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खाद की कमी और किसानों की बदहाली पर जवाब नहीं देना चाहती, इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए सदन में वंदे मातरम् की चर्चा करा रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि भाजपा वही पार्टी है जिसने न तो आजादी से पहले और न बाद में कभी वंदे मातरम् गाया। प्रदूषण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लखनऊ में खराब मौसम की वजह से क्रिकेट मैच तक नहीं हो पाया, लेकिन मुख्यमंत्री डेटा जारी कर रहे हैं जबकि वे खुद एक्यूआई का मतलब नहीं जानते।

फेक एनकाउंटर के बाद अब फेक नौकरियां

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर अखिलेश ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बधाई हो! अब फेक एनकाउंटर के बाद प्रदेश में फेक नौकरियां देखने को मिलेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने शिक्षा मित्रों को शिक्षक बनाने का वादा कर उनके साथ धोखा किया है, जिससे हजारों की जान जा चुकी है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी जाति के खिलाफ नहीं हैं और उनकी सरकार में क्षत्रियों को भी मंत्री बनाया गया था।

इसके साथ ही अखिलेश ने कई वायदे भी किए। अखिलेश ने वादा किया कि उनकी सरकार आने पर महिलाओं को सम्मान देने के लिए सालाना 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से भी बड़ा जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

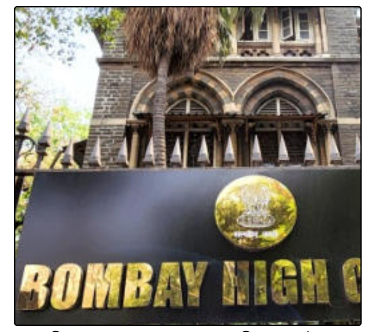

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुंबई। गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद मुंबई में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में शहर की कई मजिस्ट्रेट अदालतों में विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, अलर्ट मिलते ही बॉम्बे हाई कोर्ट परिसर सहित अंधेरी, बांद्रा और फोर्ट क्षेत्र के एस्प्लैनेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स को सावधानी के तौर पर तुरंत खाली कराया गया।

चीफ जस्टिस श्री डीके उपाध्याय (या चंद्रशेखर के अनुसार स्रोत) ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सभी जजों को कोर्टरूम खाली करने के निर्देश दिए। धमकी के मद्देनजर उस दिन अदालती कार्यवाही स्थगित कर दी गई और सभी कोर्टरूम खाली करा लिए गए। बॉम्बे हाई कोर्ट परिसर में बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) और डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए, जहां गहन तलाशी अभियान चलाया गया। मुंबई पुलिस ने कई अदालतों और कुछ बैंकों को भी धमकी मिलने की पुष्टि की है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सभी स्थानों की जांच पूरी कर ली गई है और परिसर सुरक्षित घोषित कर दिए गए हैं। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे प्रारंभिक रूप से इसे फर्जी धमकी माना जा रहा है। जांच जारी है और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

देश के मशहूर मूर्तिकार राम सुतार का निधन

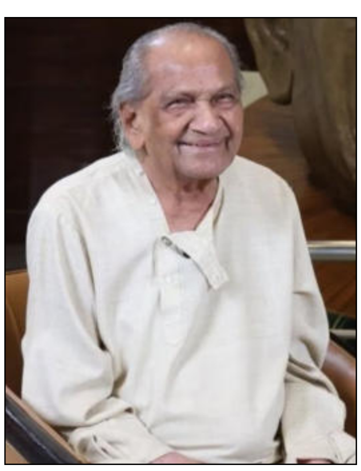

» 100 साल की उम्र में नोएडा में ली अंतिम सांस।

» संसद भवन में लगी गांधी प्रतिमा का किया निर्माण।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नोएडा। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाल मशहूर मूर्तिकार राम सुतार का लंबी बीमारी के बाद बुधवार देर रात नोएडा के सेक्टर 19 स्थित आवास पर निधन हो गया। 100 वर्षीय राम सुतार का अंतिम संस्कार गुरुवार को सेक्टर 94 में किया जाएगा उनके निधन से कल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनको पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से नवाजा जा चुका है। राम सुतार के निधन की जानकारी उनके बेटे अनिल सुतार ने दी। वह खुद मूर्तिकार हैं जो अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के अलावा राम सुतार कई चर्चित मूर्तियों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की 350 से अधिक मूर्तियां बनाई हैं जो दुनिया भर में स्थापित हैं। इसी तरह बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की भी कई मूर्तियों का निर्माण कर चुके हैं। पुणे में स्थित छत्रपति संभाजी महाराज की 100 फीट ऊंची प्रतिमा भी उनकी प्रमुख कृतियों में एक है।

बीते नंवबर को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राम सुतार को राज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान महाराष्ट्र भूषण प्रदान किया। वह अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ खुद नोएडा आए थे और उनके घर पर सम्मानित किया था। महाराष्ट्र के गोंडूर गांव में गरीब परिवार में 19 फरवरी, 1925 को जन्मे राम सुतार ने अपना स्टूडियो नोएडा में बनाया। वह वर्ष 1990 से यहीं पर रह रहे थे। अजंता-एलोरा की गुफाओं में कई प्राचीन मूर्तियों के जीर्णोद्धार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राम सुतार ने संसद भवन में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा बनाई है। इसके अलावा 251 मीटर ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा और अयोध्या के लता मंगेशकर चौक पर लगी वीणा का निर्माण किया।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को फंसा रही सरकार: अजय राय

जेल में मिलने पहुंचे कांग्रेसी नेता, बोले-कांग्रेस लड़ेगी अधिकार की लड़ाई

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

देवरिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय गुरुवार को देवरिया पहुंचे। उन्होंने जिला कारागार में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर से मुलाकात की। इसके बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए अमिताभ ठाकुर को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जानबूझकर गलत तरीके से प्रदेश सरकार अमिताभ ठाकुर को फंसा रही है। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस अमिताभ ठाकुर के साथ खड़ी है। उनके लिए लड़ाई लड़ेगी।

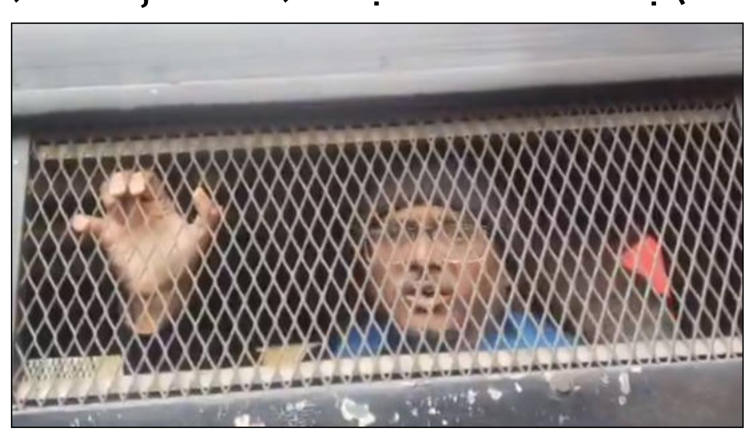

लखनऊ के गोमतीनगर के विराम खंड निवासी अमिताभ ठाकुर ने 1999 में देवरिया में एसपी रहने के दौरान पत्नी नूतन के नाम से औद्योगिक क्षेत्र में प्लाट खरीदा था। प्लाट खरीदने के दौरान नूतन ठाकुर की जगह नूतन देवी व पति का नाम अमिताभ ठाकुर की जगह अभिजात लिखा गया। सितंबर 2025 में इस मामले में लखनऊ के ताल कटोरा थाने में केस दर्ज हुआ था।

करीब आधे घंटे की मुलाकात

10 दिसंबर को दिल्ली जाते समय शाहजहांपुर के समीप से ट्रेन से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया था। तभी से वे जिला कारागार में बंद हैं। गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दौरे को देखते हुए जेल के आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध थे।

करीब 12:00 बजे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जिला कारागार पहुंचे। उन्होंने जेल के अंदर जाकर अमिताभ ठाकुर से करीब आधे घंटे तक मुलाकात की। इसके बाद बाहर निकल कर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि अमिताभ ठाकुर को गलत तरीके से पुराने मामलों में फंसा कर प्रताड़ित किया जा रहा है। कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ाई लड़ाई लड़ेगी।

अमिताभ पेशी के लिए वाराणसी रवाना किए गए

देवरिया जेल से अमिताभ ठाकुर को पेशी पर वाराणसी रवाना किया गया। चौक थाने में हियुवा नेता एवं वीडीए के मानद सदस्य अम्बरीष सिंह भोला ने केस दर्ज कराया है। कफ सिरप की तस्करी मामले में फेक वीडियो वायरल कर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। अमिताभ आज केंद्रीय कारागार वाराणसी में रखे जाएंगे। शुक्रवार को स्पेशल सीजेएम कोर्ट में पेश किए जाएंगे, फिर देवरिया जेल ले जाया जाएगा।